गुल्फ़िशा फ़ातिमा,

देश और युग का आपको सलाम ।आपकी बुलंद आवाज़ ने हमें काफी ताकत दी है। आपने हम सबको 28 महीने से ऊपर अपनी ज़िंदगी जेल के सलाख़ों के पीछे गुज़ार कर, एक बहादुरी का संदेशा दिया है । कितने भी जुल्म आप के ऊपर बरसाए गए, लेकिन आप कभी नहीं झुकीं। बस कुछ दिनों की बात है, बहुत जल्द हम साथ में आज़ादी के गीत गाएँगे।